THE AIR FORCE SCHOOL
CLASS III HINDI HW WORKSHEET
SUBMISSION DATE: 22 AUGUST 2014

लोहे का तराजू

सारांश — *यह पाठ एक नाटक है। धनराम नाम का एक व्यापारी था। उसका व्यापार ठीक तरह से नहीं चल रहा था। उसपर बहुत कर्ज़ था पर वह निराश नहीं हुआ। उसने सभी कुछ बेचकर अपना कर्ज़ उतार दिया। अब उसके पास केवल लोहे का एक भारी तराजू बचा था। वह अपना तराजू अपने मित्र मोहनलाल के पास रखकर शहर चला गया। वापस आने पर उसने अपना तराजू माँगा। मोहनलाल धनराम को तराजू नहीं देना चाहता था इसलिए उसने कहा — तराजू तो चूहे खा गए। अंत में धनराम ने मोहनलाल को सबक सिखाया और अपना तराजू वापस ले लिया।*

1. किसने, किससे कहा? क्यों कहा?

क. "क्या आप मेरा तराजू, मेरे लौटने तक अपने पास रख लेंगे?"

.....

.....

ख. "चूहों ने पूरा तराजू खा लिया था।"

.....

.....

ग. "तराजू दे दो और अपना पुत्र ले लो।"

.....

.....

घ. "अब मामला सुलझ गया है।"

.....

.....